हरिभूमि

गुना-राजगढ़-अशोकनगर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 30 जून 2026

04 बकरी चराने गई नाबालिग के साथ 3 दोस्तों ने ...



07 एसपी कार्यालय के नए भवन के लिए पुरानी अदालत परिसर को चुना गया



राघौगढ़ | मुंगावली | आरोन | चाचौड़ा | कुंभराज | ब्यावरा | सारंगपुर | नरसिंहगढ़ | खिलचीपुर | जीरापुर | चंदेरी | नईसराय | ईसागढ़

राघोगढ़ में मानसून की पहली जोरदार बारिश: भीषण गर्मी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राघौगढ़

नगर में रविवार को दिनभर की भीषण गर्मी और उमस के बाद शाम को मानसून की पहली जोरदार बारिश हुई। तेज आंधी और हवाओं के साथ करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया और नगरवासियों को चिलचिलाती गर्मी से बड़ी राहत मिली। मूसलाधार बारिश के बाद रातभर रिमझिम फुहारें गिरती रहीं। हालांकि, बारिश शुरू होते ही हमेशा की तरह नगर की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। इससे पहले भी सुबह से लेकर दोपहर तक अघोषित बिजली



कटौती की गई थी, जिसके कारण नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। तेज बारिश के कारण नगर की ड्रेनेज व्यवस्था की पोल भी खुल गई। नालियों का गंदा पानी और कचरा ओवरफ्लो होकर सडक़ों पर आ गया, जिससे जगह-जगह गंदगी फैल गई। जलभराव और गंदगी की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका राघोगढ़ के अमले द्वारा सोमवार दोपहर में विशेष अभियान चलाकर मुख्य सडक़ों की साफ-सफाई कराई गई। पहली ही बारिश ने जहां एक ओर मौसम खुशनुमा कर दिया, वहीं दूसरी ओर बिजली और नपा प्रशासन के दावों की हवा निकाल दी।

राह भटकी 10 वर्षीय मासूम के लिए देवदूत बने डायल-112 के जवान, सूझबूझ से मां से मिलाया

गुना। जिले के चाचौड़ा थाना क्षेत्र में बीनागंज चौकी के पास बीती रात एक 10 वर्षीय मासूम बालिका अपने घर का रास्ता भटक गई। राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को 28 जून की रात करीब 10:35 बजे इसकी सूचना मिली, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चाचौड़ा क्षेत्र की डायल-112 एफआरवी वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे डायल-112 के स्टाफ आरक्षक नरेश मंडेरिया और पायलट राहुल मीणा ने रोती हुई घबराई बच्ची को अपनी सुरक्षा और संरक्षण में लिया। जवानों ने जब मासूम से स्नेहपूर्वक बात की, तो उसने अपना घर बूढ़ी बरसत गांव में होना बताया।

राष्ट्र संत पूज्य मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में गुना में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ के मौके पर विशेष

"युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महाराज"



इस युग का सौभाग्य है कि इस युग में आचार्य श्री जन्मे और हम सब का सौभाग्य है कि हम उनके युग में पैदा हुए

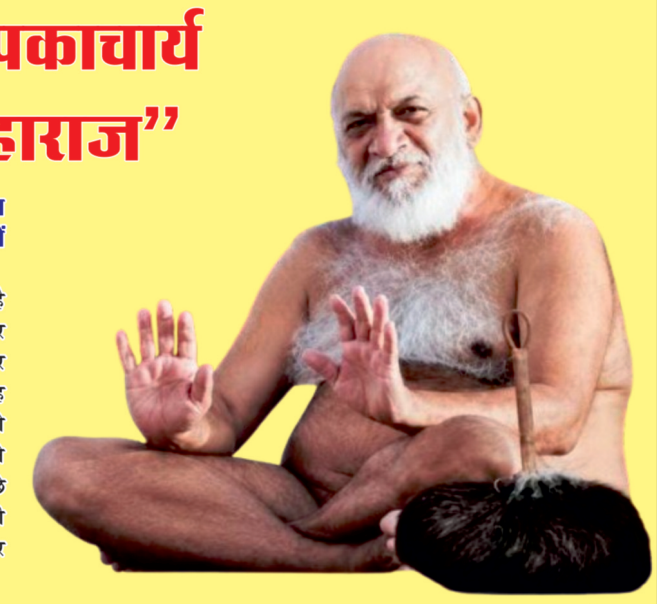
श्रमण संस्कृति जिनकी आभा से दीप्ति मान है ऐसे युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महाराज ने आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से 30 जून 1968 में अजमेर में मुनि दीक्षा ली। उन्हें आचार्य पद आचार्य ज्ञानसागर जी ने 22 नवम्बर, 1972 में दिया। चरित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के उपदेशामृत ने बचपन में विरक्ति के बीज बोए और आजीवन ब्रह्मचर्यव्रत आचार्यश्री देशभूषणजी महाराज से ग्रहण किया। आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज से शिक्षा और दीक्षा प्राप्त की।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को जहां प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत, मराठी, हिन्दी, कन्नड़ तथा अंग्रेजी आदि अनेक भाषाओं में प्रकाण्ड पाण्डित्य प्राप्त है, वहीं दर्शन, इतिहास, संस्कृति व्याकरण, साहित्य मनोविज्ञान और योग आदि विधाओं में भी अनुपम वैदुष्य उपलब्ध है। आपमें आशु-कवित्व तथापि प्रायुत्पन्न अत्यंत प्रशष्य गुण है। आपने भव्य जीवों के आत्मकल्याण हेतु अनेक ग्रन्थों का प्रणयन किया है। आपके द्वारा लिखिक मूक माटी (महाकाव्य) आज देशभर में विद्वत समाज और साहित्यकारों के बीच बहुचर्चित है। इसके अतिरिक्त चेतना के गहराव में (सचित्र प्रतिनिधि काव्य संकलन) तथा नर्मदा का नरम कंकर, डूबो मत / लगाओ डुबकी, तोता क्यों रोता ? काव्य संग्रह भी हैं। संस्कृत में श्रमणशकतकर, निरंजनशकतम्, भावनाशंकतम्, परीषडजयशतकम् और सुनीतिशकतम् और शारदा-स्तुति सृजित की है एवं इन्टीं पांच शतकों का हिन्दी पत्तानुवाद तथा राष्ट्रभाषा में अनुवाद किया गया है इनके अतिरिक्त आपने समयसार, प्रवचनसार, नियमसार, द्वादशानुप्रेक्षा, पंचास्तिकाय, अष्टापादुड, रत्नकरण्डक, श्रावकचार, समणसुत, देवागम-स्त्रोत, स्वयंभूस्त्रोत, इष्टोपदेश, समाधितंत्र, नंदीश्वरभक्ति, द्रव्यसंग्रह, समयसार-कलश तथा गोमटेश-शुद्धि आदि का सरल एवं सुबोध पत्तानुवाद भी किया है। लगभग 25 प्रवचन संग्रहों के अतिरिक्त अनेक स्फुट काव्य संस्कृत, हिन्दी, प्राकृत, अंग्रेजी तथा कन्नड़ आदि भाषाओं में लिखे हैं। आपके जीवन पर 25 से अधिक सौध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

आपके द्वारा अभी तक लगभग 425 से अधिक मुनि-आर्यिका, ऐलक एवं क्षुल्लक साधु जन दीक्षित हैं। आचार्यश्री न केवल तपस्वी हैं, बल्कि दार्शनिक एवं समाज सुधारक भी हैं। शिक्षा, स्त्री शिक्षा, पशु कल्याण तथा पर्यावरण के क्षेत्र में उनकी प्रेरणा से कितनी ही परियोजनाएं चल रही हैं। जबलपुर (मध्यप्रदेश) स्थित प्रतिभास्थली स्त्री शिक्षा का एक अग्रणी संस्थान है या यूं कहें एवं आन्दोलन है। ज्ञातव्य हो ष्ज्ञानपीठ पुरस्कार संज्ञक भारतीय साहित्य का

प्रस्तुतकर्ता ' ममता अशोक सेठी
कलकत्ता

"एक महा संत निर्यापकाचार्य श्री सुधासागरजी महाराज"



'में दीवाना हूं तेरा दीवाना हूं तेरा मेरे सुधा सागर महाराज में दीवाना हूं तेरा शिरोमणि नाथ में दीवाना हूं तेरा'

मध्य भारत प्रांत में पिछले छः आठ महीने से यह गली गली में गूंज रही है यह पंक्तियां जब यहां बजने वाले वाहनों में गुंजती हैं तो लोग नाचने पर विवश हो जाते हैं नाचते गाते भक्तों की टोली सभी को अपनी ओर वरवस खींचती चली जाती है मध्य भारत के अशोकनगर शहर से यह दृश्य आगे बढ़ा ईसागढ़ खनियांधाना मुंगावली बंगला होते हुए गुना जो हमारा पुराना जिला मुख्यालय है आज यहां आकर्षक वना है पिछले आठ महीनो से देखने मिल रहा है भीड़ इतनी दीवानी है कि उनके पीछे अपने सारे कामकाज घर, परिवार को छोड़कर उनके पीछे नजर आती है। यह दृश्य मध्य भारत के नगरों चौराहा और गलियों में पहली बार देखने मिला है।

यहां और भी संतों के प्रवास हुए हैं लेकिन ऐसा दृश्य ऐसी दीवानगी सड़कों पर ऐसा हम दुजूम पहले कभी देखने नहीं मिला। यह श्रद्धालुओं की आस्था है या फिर तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के प्रति दीवानगी बढ़ता हुआ आध्यात्मिक संसार। ऐसा क्या है मुनिश्री के पास भक्तों का काफिला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अशोकनगर के चातुर्मास ने निर्यापक श्रमण को एक नए इतिहास की ओर अग्रसर किया है चातुर्मास तो मुनि पुंगव के जीवन में बहुत हुए हैं और 33 साल पहले भी अशोकनगर में चातुर्मास हुआ था तब यहां ऐतिहासिक त्रिकाल चौबीसी की भव्य रचना हुई जिससे इस नगर को तीर्थ का दर्जा प्राप्त हुआ। मुनि श्री का आम जनों में गहरा विश्वास था लेकिन 33 साल बाद मुनि श्री ने देश भर के सारे जैन संतों को पीछे छोड़ दिया है अब वह पुंगव मुनि राष्ट्र संत निर्यापकाचार्य जैसी नई उपाधियों के साथ जब चलते हैं तब उनकी विशालता उनके संत परंपरा में बढ़ते प्रभावना के आभामंडल को कई गुना आभायमान कर देती हैं।.

जितने राष्ट्रीय स्तर के आयोजन हुए वह अपूर्व थे :- गुरु देव कि विचार वाणी, उनकी देशना श्री मुख से निकले शब्द उनकी सभा में बैठे श्रद्धालुओं को सोने पर विवश कर देते हैं अशोक नगर शहर में 33 साल पहले चातुर्मास देखा है उनके चातुर्मास की अवधि में राष्ट्र स्तर के जितने आयोजन हुए है उतने आयोजन न मैंने कभी देखे न कभी सुने जो भी आयोजन हुआ। उसमें राष्ट्रीयता की झलक नजर आई जिसमें देश के सारे प्रांतों से लोग शामिल होते नजर आए यही तो बात इन्हें राष्ट्र संत बनाती है ।

मुनि श्री की वाणी से झरता सुधा का अमृत अशोकनगर गुना जिले को सुधामय कर रहा है। परम पूज्य अशोकनगर की सरजमीं पर जैनो के संत नहीं अपितु सर्व समाज के संत हो गए हैं आज भी लोग यही कहते मिलते हैं कि कैसे उनका मुनि श्री से साक्षात्कार होगा कैसे दर्शन होंगे कैसे अकेले मिल सकेंगे यह कल्पना लोग पहले दिन से ही कर रहे हैं और आज भी कर रहे हैं लेकिन भीड़ को कम कर उनके पास तक जाना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। वह तीर्थ सुधारक है उन्हें मंदिरों की कमियों को सुधारने वास्तु कला के साथ सभी प्रकार का ज्ञानी माना जाता है अगर उन्हें हम जैन समाज का आर्किटेक्ट करें तो कम नहीं होगा वह जैन समाज के आर्किटेक्ट इसलिए है क्योंकि जैन प्रक्रिया को भी तकनीकी रूप से करने का काम अगर जानना है तो वह उनके ही पास है उन्होंने अपने जीवन काल में पूरे राष्ट्र में जो उपलब्धियां हासिल की है वह आम लोगों की जुबान पर है।

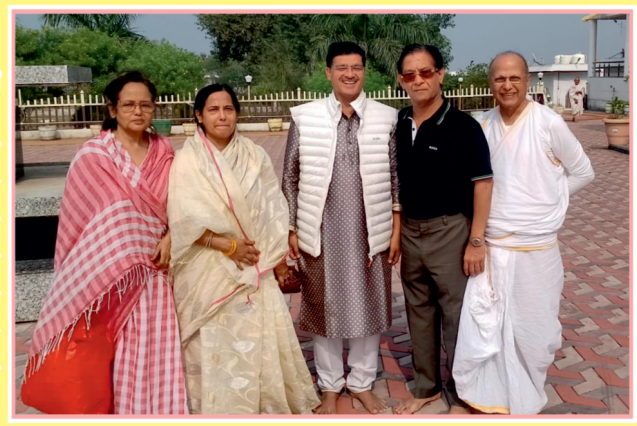
मध्य भारत की माटी मुनि पुंगव के विहार से हुई धन्य :- परम पूज्य का पद विहार मध्य भारत की माटी को धन्य करने में लगे हैं यह प्रवास गुना अशोक नगर की धार्मिक धरा पर इतिहास के पन्नों को नया आकर दे गया है वह इतिहास अब हमेशा अशोकनगर के रूप में जाना जाएगा। वह हमेशा अशोकनगर शहर में भक्तों के दिल में बसे रहेंगे। वक्त तो अभी चाहते हैं कि मुनि श्री अभी इसी अंचल में ही रहे और अगला चातुर्मास गुना शहर में करें लेकिन साधु नदी के पानी के समान है जैसे जल बहता रहता है वैसे ही साधु एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवाह मान रहते हैं। यही जैन साधु की विशेषता है पुंगम मुनि की अशोक नगर आगमन से अशोकनगर तीर्थ की नगरी बना ही गुना में पंच मुखी पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ त्रय गजरथ महोत्सव ने एक नये इतिहास को वनते देखा है

विजय धुर्रा संयोजक मध्यप्रदेश
महासभा व मंत्री जैन समाज अशोक नगर मध्यप्रदेश

"जबलपुर से आज गुना आयेगी आस्था की ट्रेन"

एक व्यक्ति अशोक सेठी कलकत्ता के जूनून ने वना दी आस्था की ट्रेन"

जब कोई व्यक्ति गुरु चरणों में आकर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर आगे बढ़ता है तो सफलता भी उसके कदम चूमती है। तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के चरणों में समर्पित रहने वाले एसे भक्त की बात रहें हैं जो सूदूर कलकत्ता महा नगर की आपाधापी भरी जिंदगी को छोड़कर गुरुवाणी की लालसा लिए एक व्यक्ति श्रीमति ममता अशोक सेठी कलकत्ता से पहली मुलाकात वर्ष 2022 जबलपुर के तिलवारा घाट पर हुई।



जहां संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज विराजमान थे। हम सब लोग परिवार सहित वहां आचार्य भगवंत की नवधा भक्ति की भावना लेकर चौंका लगा रहे थे वहीं बगल वाले कक्ष में शाम को एक नये चौंके वाले सज्जन अपने परिवार रिश्ते दारों के साथ पधारते हैं उनमें हमारे पुराने मित्र गोंदिया वाली काकी के सुपुत्र जो विधानामंडल सदस्य विधायक राजेंद्र जैन राजू भैया आयें। आज जो गोंदिया महाराष्ट्र से एन सी पी अजित पवार की ओर से राज्यसभा सांसद के रूप पहली बार सांसद बनकर दिल्ली में शपथ ले, सीधे गुरु चरणों में गुना आ रहे हैं।

उनके साथ आए एक ऐसे अंजान भक्त से आत्मिक मुलाकात दुई जो मुझे परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के बहुचर्चित जिज्ञासा समाधान में संचालन करते हुए देखते थे। वात्सल्य से भरें इस माहौल में मैंने सभी को भोजन पर आमंत्रित करूं इसके पहले ही श्री मति ममता अशोक जी सेठी वोल पड़ी भइया आपको हमने जिनवाणी चैनल पर बहुत देखा है हमें भी मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज के प्रवचनों का प्रसारण जिनवाणी चैनल पर करना है इतना कहकर मोबाइल नंबर पहले ही ले लिया कहतीं है आपको तो रोज ही हम जिनवाणी चैनल पर देखते हैं हमें भी गुरु वाणी का प्रसारण करना हैआत्मिकता से लवरेज शब्दों को सुनकर मेरा मन प्रफुल्लित हो गया एक छोटी सी मुलाकात कब गुरु भाई में बदल गई पता ही नहीं चला। समय गुजरा आस्था का सैलाव जो मन के अंदर हिलोरें ले रहा था ऐसे परम गुरु भक्त श्री मति ममता अशोक सेठी जो कलकत्ता की व्यस्त जीवन शैली को छोड़कर अपनी कर्मभूमि गोसलपुर (संस्कारधानी जबलपुर जहां माइनिंग माइंसो को संचालित करते हैं आये हुए थे समय और भाग्य देखो जव कुछ बहुत अच्छा होना हो तो योग बनते चले जाते हैं परम '' पूज्य'' 'तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का गोसलपुर आगमन हुआ और कलकत्ता से बहुवलि ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मति ममता अशोक सेठी गुरु चरणों में आयें और ऐसे मंत्र मुग्ध हुए कि सब कुछ न्यौछावर कर इस जीवन में कुछ अलग करने कि चाट सदगुरु के चरणों में रख दिया ।

श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ और श्री मति ममता अशोक सेठी सचि इन्द्राणी सौधर्म वनकर मुख्य पात्र के रूप में प्रतिष्ठित हुए महा महोत्सव के पूर्ण होते होते इस तीर्थ के भविष्य को परम पूज्य निर्यापक श्रमण तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने अपने दिव्य चक्षुओं देख लिया हम जो वर्षों की प्रतीक्षा के बाद देखते हैं परम पूज्य गुरुदेव वह सब कुछ पहले ही देख लेते हैं फिर जगत के समाने सम्पूर्ण योजना आती है ।

रीना-विजय धुर्रा संयोजक
मध्यप्रदेश महासभा मंत्री जैन समाज अशोक नगर मध्यप्रदेश

"गुना में पंचमुखी पंच कल्याणक महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ छोड़ गया अमिट छाप"



भीषण गर्मी में परम पूज्य राष्ट्र संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ 18 पिच्छिकाओ ने मुंगावली से गुना की ओर विहार कर दिया। उस समय सूरज दादा अपने पूरे उफान पर थे शाम छः बजे सड़क पर पैर रखना मुश्किल हो रहा है और गुरु देव ने पद विहार कर दिया। हम जैसे सैकड़ों लोग भी बिना चप्पल के संघ में पीछे पीछे चल दिये तब लगा कि एक संत भक्तों पर कृपा वर्षा ने कहां तक कष्ट उठाने को तैयार रहते है सौ किलोमीटर से अधिक का विहार वस चल दिए संकल्प की शक्ति से अशोक नगर में हमें अभूतपूर्व अगवानी का मौका मिला मानों भाग्य खुल गये। आठ दिन के प्रवास में इतना काम हुआ जो वर्षा भी असंभव था जिले का पहला सुधासागर धाम अथाईखेड़ा ग्राम में बना। इसके बाद गुना का उत्साह देखते ही बनता था क्यों ना बनेगा तेरह वर्षा की प्रतीक्षा पूरी होने जा रही थी अभूतपूर्व गुना अगवानी के साथ पंच मुखी पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ गजरथ महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ अठारह पिच्छिकाओ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप म ड्या अशोक नगर के कुशल निर्देशन में हुआ। इस महा महोत्सव में साठ से अधिक मुख्य पात्रों को अनुष्ठान में अग्रिम भूमिका निभाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस अभूतपूर्व उत्साह उमंग के साथ जैन समाज के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ गया ।

मध्यप्रदेश महासमा संयोजक विजय धुर्रा ने कहाकि ऐतिहासिक पंच मुखी पंच कल्याणक विश्व शांति महायज्ञ गजरथ महोत्सव ने एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी है जो हमेशा याद रेहेगी। परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने बड़ी कृपा करके पांच पांच जिनालय तीर्थ क्षेत्र को एक साथ संभाला है। सर्वा दय ज्ञान तीर्थ में 76 फीट ऊंचाई पर जाकर उत्तर भारत के पहले सबसे बड़े भगवान बहुवलि स्वामी का महा मस्तिष्काभिषेक श्रीमति शुशीला अशोक पाटनी श्रीमति शांता सुरेश पाटनी श्रीमति तारिका विमल पाटनी आर के मार्बल्स परिवार किशनगढ़ द्वारा दक्षिण भारत के श्रवण बेलगोला की तरह पहला कलश कर इतिहास रचा गया। इसके साथ ही दीक्षा कल्याणक के दीन एक साथ युगल दीक्षार्थी को देख कर लगा अव हम ग्रहस्थो के लिए भी गुरु देव की कृपा कभी भी वरस सकतीं हैं करोड़ों मंत्रोच्चार के बीच विश्व शांति महायज्ञ का साआनंद सम्पन्न हुआ इस महा महोत्सव में हजारों भक्तों ने दिन रात मेहनत कर इसे हर स्तर पर अभूतपूर्व वना दिया सभी को हार्दिक शुभकामनाओं सहित ढेर सारी बधाईयां।



प्रस्तुती सालू भारत एवं राजीव श्रंगार अशोकनगर हुकुम चन्द जैन काका कोटा राजिस्थान

सफलता की कहानी

तलावली के दिव्यांग, वृद्ध महिलाओं को बड़ी राहत

ब्यावरा। जल जीवन मिशन के तहत संचालित बांकपुरा-कुशलपुरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना ने ग्राम पंचायत तलावली के ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। घर-घर नल कनेक्शन मिलने से विशेष रूप से दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं महिलाओं को बड़ी राहत मिली है। ग्राम के दिव्यांग दंपति सरिता यादव एवं राजू यादव ने बताया कि पहले पानी लाने में काफी कठिनाई होती थी, लेकिन अब घर पर ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से उनका जीवन आसान हो गया है। वहीं 85 वर्षीय कालूराम यादव ने कहा कि वृद्धावस्था में पानी लाना बड़ी समस्या थी, जो अब समाप्त हो गई है। इसी प्रकार वृद्ध दंपति भंवरलाल एवं उनकी पत्नी को भी नियमित जल आपूर्ति से राहत मिली है। विधवा महिला कलाबाई वर्मा ने बताया कि नल कनेक्शन मिलने से पानी की चिंता दूर हुई है तथा समय और श्रम की बचत होने से परिवार की बेहतर देखभाल कर पा रही हैं।ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। पेयजल उपलब्ध होने से जीवन सुविधाजनक बन गया है।

पचोर थाना क्षेत्र के उदनखेड़ी चौकी का मामला

बकरी चराने गई नाबालिग के साथ 3 दोस्तों ने किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा



प्रदेश में दिन प्रतिदिन अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। मप्र में इस समय सबसे ज्यादा महिलाओं को अपना टारगेट बनाकर उनके साथ हर रोज घटनाएं घट रही है और पुलिस-प्रशासन अपराधियों पर एक्शन लेने में नाकाम साबित हो रहा है।

ऐसा ही मामला राजगढ़ जिले के पचोर कस्बे अंतर्गत आने वाले गांव उदनखेड़ी चौकी से सामने आया है, जहा पर कक्षा 3 में पढ़ने वाली नाबालिग किशोरी को तीन दोस्तों ने मिलकर अपना शिकार बनाया है। जानकारी के मुताबिक पचोर थाना क्षेत्र के उदनखेड़ी चौकी अंतर्गत बकरी चराने गई 9 साल 8 माह की कक्षा 3 की छात्रा के साथ गांव के ही बकरी चराने गए 12 साल के दोस्त और उसके साथ खजूर खाने गए 2 अन्य कक्षा 5 वीं में पढ़ने वाले दोस्तों ने दुष्कर्म किया। आरोपियों में दो 12 साल के जबकि एक 11 साल 7 महीने का है। सोमवार को उदनखेड़ी थाना क्षेत्र में दोपहर 1 बजे के करीब बकरी चराने गई बालिका के साथ उसी के साथ पड़ोस से बकरी चराने गए 12 वर्षीय किशोर और उसके साथ खजूर खाने जंगल में गए दो अन्य किशोर ने घर-घर खेलने के बहाने बलात्कार कर दिया। महज 9 साल 8 माह की तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली बालिका ने रोते हुए घटना परिजनों को बताई। उसके बाद पचोर थाने लाया गया जहां मेडिकल में पुष्टि होने के बाद पचोर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर तीनों छात्रों को हिरासत में ले लिया है। इनमें दो हिन्दू जबकि एक लड़का 11 साल 7 महीने का होकर मुस्लिम समाज से है।

प्रकरण पंजीबद्ध किया..

तीनों आरोपियों के खिलाफ गैंग रेप, पॉस्को के साथ एक मुस्लिम आरोपी पर एससी/एसटी एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

शकुंतला बामनिया
थाना प्रभारी पचोर।

भैंसवा माता धाम में तैयारियां पूरी

सीएम डॉ. मोहन यादव आज करेंगे 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का समापन



हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंगलवार को सारंगपुर स्थित मां बिजासन (भैंसवा माता) धाम में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे अभियान का विधिवत समापन करेंगे तथा जल संरक्षण एवं जनभागीदारी का संदेश देंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला एवं स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सोमवार को राजगढ़ कलेक्टर गिरीश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी तथा विधायक प्रतिनिधि पृथ्वीराज गौतम टेटवाल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी के ई दीपक कुमार, एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह, जनपद पंचायत सीईओ हेमेंद्र गोविल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर मंच, वीआईपी व्यवस्था, सुरक्षा घेरा, वाहन पार्किंग, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जनपद पंचायत सीईओ हेमेंद्र गोविल ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों तथा आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। गौरतलब है कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण एवं जनभागीदारी के माध्यम से जल बचाने के प्रति लोगों को जागरूक करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

विशेषज्ञों ने दिया व्यवहारिक प्रशिक्षण, पौधारोपण के साथ समापन

प्रकृति संरक्षण, महिला सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर मंथन



हरिभूमि न्यूज ▶▶ पचोर

रानी कमलापति न्यास, भोपाल के तत्वावधान में प्रज्ञा सागर महाविद्यालय पचोर में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन रविवार को हुआ प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के इंदौर, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, विदिशा, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, सीहोर एवं भोपाल से आए प्रकृति प्रेमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व, महिला सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराना रहा प्रथम सत्र में न्यास के अध्यक्ष प्रद्युम्न गुप्ता, सचिव धर्मेंद्र गुप्ता एवं सदस्य रविकांत भदौरिया ने बढ़ते पर्यावरणीय संकट, गिरते भूजल स्तर और ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार और अधिक से अधिक पौधारोपण का संकल्प लेना होगा। इस दौरान देवेंद्र रेड्डी ने सामाजिक समरसता और डॉ. मनीष उपाध्याय ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया दूसरे सत्र में महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया।



न्यास सदस्य ऋचा मिश्रा ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। अंतिम सत्र में आपदा प्रबंधन टीम के सदस्य दुर्गेश यादव, रामसेवक विश्वकर्मा, विजेंद्र नागर तथा पूर्व डीएसपी भानुप्रताप तोमर ने प्राकृतिक एवं आकस्मिक आपदाओं के दौरान प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), राहत एवं बचाव कार्यों और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की व्यवहारिक जानकारी दी समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि प्रतिभागियों को समाज में सकारात्मक बदलाव का वाहक बनाना है कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने प्रज्ञासागर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सहभोज के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन किया गया।

कालीसिंध नदी में भैंस निकालते समय बुजुर्ग की डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर



कालीसिंध नदी में भैंस निकालने के दौरान एक व्यक्ति की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कालू सिंह गुर्जर (55), पिता चुन्नीलाल गुर्जर, निवासी ब्यावरा मांडू, नदी में भैंस निकालने के लिए उतरे थे। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे डूब गए।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें नदी से बाहर निकाला तथा उपचार के लिए सिविल अस्पताल सारंगपुर लेकर पहुंचे। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद कालू सिंह को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए मौका पंचनामा तैयार किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इस हृदयविदारक घटना से मृतक के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव में भी घटना के बाद मातम का माहौल है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मुरम से भरा ट्रैक्टर पलटा, 25 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

जीरापुर। समीपस्थ ग्राम सादलपुर में रविवार रात करीब 10 बजे एक दर्दनाक हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार हरिओम पिता रामसिंह दांगी (25) निवासी सादलपुर मुरम से भरा ट्रैक्टर लेकर गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान गोबर की रोडी के पास ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे हरिओम मुरम से भरे ट्रैक्टर के नीचे दब गया। हादसे के बाद परिजन एवं ग्रामीणों ने तत्काल हरिओम को बाहर निकालकर रात करीब 11 बजे जीरापुर के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया।
पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक की असमय मौत से गांव में शोक की लहर फैल गई है।

लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

सुल्तानिया में पहाड़ी के पास गड्ढे से मिला मानव कंकाल, इलाके में फैली सनसनी



हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

पचोर थाना क्षेत्र के सुल्तानिया गांव के समीप पहाड़ी क्षेत्र में एक गड्ढे से मानव कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से गड्ढे की खुदाई कर कंकाल को बाहर निकाला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटनास्थल से एक खोपड़ी, महिला के कपड़े तथा अन्य अवशेष भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल कंकाल की पहचान नहीं हो सकी है। कंकाल कितने समय पुराना है और मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम एवं फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान किया जा रहा है, ताकि कंकाल की पहचान हो सके। घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है, जबकि पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच पूरी होने तक इंतजार करने की अपील की है।

ट्रक पलटा तो बाइक सवारों ने चोरी का प्रयास किया

ग्यारसपुर। शुक्रवार रात करीब 9 बजे इंदौर से सिंगरौली जा रहा सुप्रीमो कंपनी का प्लास्टिक की टंकियों से भरा ट्रक एनएच 146 ग्यारसपुर के पास राज परिसर से आगे पलट गया। ट्रक में करीब 40 प्लास्टिक पानी की टंकियां, पाइप सहित लगभग 5 से 6 लाख रुपये का सामान लदा था। हादसे के बाद कुछ बाइक सवारों ने ट्रक से टंकियां चोरी करने का प्रयास किया।

प्रदेश में टॉप 7 एवं संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त कर राजगढ़ ने बनाई नई पहचान

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनभागीदारी से जल संरक्षण का सफल मॉडल

61 प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से 1,01,402 कार्य पूर्ण, 250 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य संपादित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा



जिले में 19 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 30 जून 2026 तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में ऐतिहासिक जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले के मार्गदशन में विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से जिले में जल सरंक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यादपक स्तर पर कार्य किए गए। जल गंगा सवंर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से राजगढ़ जिले ने प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इस महत्वकांक्षी अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विभागों द्वारा समन्वित रूप से जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण हेतु व्यापक स्तर पर कार्य किए गए। अभियान के दौरान 61 प्रकार की गतिविधियों के अंतर्गत जिले में 1,01,402 कार्य पूर्ण किये गए। इन कार्यों पर लगभग 250 करोड़ रूपये से अधिक की राशि व्यय की गई है, इन कार्यों से वर्षा जल संचयन, भू-जल संवर्धन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा जल के प्रति जनजागरूकता को नई दिशा मिली।

अभियान के अंतर्गत खेत, तालाब निर्माण, कूप रिचार्ज, रिचार्ज शाफ्ट एवं मैजिक पिट, तालाब एवं जल संरचनाओं का निर्माण एवं जीर्णोद्धार, ऐतिहासिक बावड़ियों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, नदी घाटों की साफ-सफाई, सार्वजनिक नलों पर टोंटी लगाना, पेयजल टंकियों की सफाई, जल मंदिरों की स्थापना, पौधारोपण, कलश यात्राएं, जल जागरूकता रैलियां, निबंध एवं नारा लेखन प्रतियोगिता, सहित अनेक गतिविधियों का सफल संचालन किया गया।अभियान की विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, उद्यानिकी, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित अनेक विभागों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। जिससे जिले में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय उपलबध्यिॉ प्राप्त हुई है।

अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग, जनभागीदारी एवं विभागों के उत्कृष्ट समन्वय के परिणाम स्वरूप राजगढ़ जिले को प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में टॉप 7 तथा संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।अभियान में सर्वाधिक योगदान ग्रामीण विकास विभाग का रहा, जिसके अंतर्गत 78,868 कार्य पूर्ण किए गए। इसके अतिरिक्त वन विभाग द्वारा 13,502 नगरीय विकास विभाग द्वारा 2,828 जन अभियान परिषद द्वारा 774, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 3,080, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा 806 सहित अन्य विभागों ने भी अपने निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करते हुए अभियान को सफल बनाया।

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज, फार्म पॉण्ड, गैप फिलिंग इन प्लांटेशन, सिंचाई अधोसंरचनाओं जल संरचनाओं की मरम्मत, जल संरक्षण एवं रिचार्ज, वाटरशेड कार्य सहित विभिन्न श्रेणियों में 78868 कार्य कराए गए, वहीं अन्य विभागों द्वारा बावड़ी जीर्णोद्धार, रिचार्ज शाफ्ट एवं मैजिक पिट जैसे नवाचारों के माध्यम से भी जल संरक्षण को नई दिशा प्रदान की गई।जिले में संचालित यह अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम न होकर जनसहभागिता का एक सशक्त आंदोलन बनकर उभरा है। ग्राम पंचायतों, विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सहभागिता से जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण हुआ है। इसके परिणाम स्वरूप जल स्त्रोतों के संरक्षणए भू-जल स्तर में सुधार तथा वर्षा जल के अधिकतम संचयन की दिशा में मजबूत आधार तैयार हुआ है।

जिले की यह उपलब्धि दर्शाती है कि समन्वित प्रयास, प्रभावी योजना एवं जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण जैसे महत्त्वपूर्ण विषय पर उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान आज जिले में एक सफल एवं प्रेरणादायी मॉडल के रूप में स्थापित हो चुका है।

ज्यादती के मामले में सिरोंज संजीवनी अस्पताल के डॉ संजीव माथुर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जेल भेजा

पीड़िता से गलत काम करने के बाद किसी को बताने पर जान से मारने की दी थी धमकी

न्यायालय से डॉ संजीव माथुर को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ विदिशा

डॉ संजीव माथुर को गिरफ्तार कर ले जाती हुई पुलिस



सिरोंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कार्रवाई करते हुए ज्यादती के मामले में अपराधी बनाए गए डॉ संजीव माथुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।
सिरोंज पुलिस थाना में 24 जून को पीड़िता की शिकायत पर छेड़छाड़ सहित ज्यादती का प्रकरण दर्ज किया था। पीड़िता द्वारा आरोप लगाया गया था कि संजीवनी अस्पताल सिरोंज में उपचार के दौरान आरोपी डॉ. संजीव माथुर द्वारा उसके साथ बुरी नीयत से छेड़छाड़ की गई। इसके बाद गलत काम किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर थाना सिरोंज में अपराध क्रमांक 287/2026 अंतर्गत धारा 74, 75(1)(i), 64(1), 332(बी) एवं 351(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एसपी रोहित काशवानी के निर्देशन एवं एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे तथा एसडीओपी सिरोंज सोनू डाबर के मार्गदर्शन में सिरोंज पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 28 जून रविवार को आरोपी डॉ. संजीव माथुर को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सिरोंज निरीक्षक गजेंद्र बुंदेला, उप निरीक्षक गोसिया सुल्तान की भूमिका रही।



खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौशाला क्षेत्र निवासी किरण केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राजेश केवट ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत माता मंदिर रोड़ अशोकनगर निवासी राजकुमार अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी हल्केराम कुशवाह ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत बमनाई हवेली निवासी रतिबाई वंशकार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी कल्ला, रामवीर और राजेन्द्र यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के शाढ़ौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मथनेर निवासी करण अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बलवीर और रवीना अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की ओर से बलवीर अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि करण और विनीता बाई ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जारोली बुजुर्ग निवासी जगदीश विश्वकर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी भरत कोरी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के सेहराई थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवासी राजीव ब्राहम्ण ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी काशीबाई और मनीषा लोधी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

गल्ला व्यापारी को जान से मारने की धमकी दी मामला दर्ज कराया

अशोकनगर। सिटी कोतवाली अशोकनगर के अंतर्गत सुभाष मोदी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि हिनोतिया पीपलखेड़ा निवासी राजकुमार यादव ने उसके घर के बाहर आकर उसे अश्लील गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। व्यापारी की रिपोर्ट पर से पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। व्यापारी सुभाष मोदी ने बताया कि राजकुमार यादव डेढ़ साल पहले 200 बोरी सोयाबीन मोदी वेयर हाउस में रख गया था, जिसके बाद उसने बैंक से लोन करवाया और नंबवर 2025 में किसान उक्त सोयाबीन को 4400 रूपए में बेंच दिया। मार्च में फिर वह गेहूं रखने आया और बैंक से लोन करवाया 3 महीने बाद जून के पहले सप्ताह में वह गेहूं उठा ले गया। 35000 रूपए कम देकर गया था, वेयरहाउस मैनेजर को यह नहीं बताया और गेहूं ले गया। सोयाबीन के दाम बढ़ने के बाद राजकुमार यादव की नियत खराब हो गई और कहने लगा कि उसने सोयाबीन गिरवी रखा था, जिस पर से वह 3 माह से लगातार गाली गलौच कर रहा है। बीती रात 11 से 12 बजे के बीच उसके द्वारा गाली गलौच की गई।

राह भटकी मासूम के लिए देवदूत बनी डायल-112 ने मां से मिलाया



गुना। जिले के चाचौड़ा थाना क्षेत्र में बीनागंज चौकी के पास बीती रात एक 10 वर्षीय मासूम बालिका अपने घर का रास्ता भटक गई। राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को 28 जून की रात करीब 10:35 बजे इसकी सूचना मिली, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चाचौड़ा क्षेत्र की डायल-112 एफआरवी वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे डायल-112 के स्टाफ आरक्षक नरेश मंडेरिया और पायलट राहुल मीणा ने संरक्षण में लिया। जवानों ने जब मासूम से स्नेहपूर्वक बात की, तो उसने अपना घर बूढ़ी बरसत गांव में होना बताया, लेकिन वह रास्ता भूल चुकी थी। इसके बाद पुलिस जवान बच्ची को वाहन में बैठाकर उक्त गांव पहुंचे। गांव में बच्ची की मां मिल गईं, भौतिक सत्यापन की कार्रवाई पूरी कर मासूम को सुरक्षित उसकी मां के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस लाइन मोहरी में स्थानांतरित होगी

एसपी कार्यालय के नए भवन के लिए पुरानी अदालत परिसर को चुना गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर





जिला मुख्यालय पर एसपी कार्यालय अभी कलेक्टर कार्यालय के साथ एक ही भवन में लग रहा है। एसपी कार्यालय को अलग भवन बनाए जाने के लिए भूमि की तलाश की जा रही थी, जिसे लेकर पुरानी अदालत का भवन जो पुलिस लाईन से लगा है वह क्षतिग्रस्त हो गया था, वहां एसपी कार्यालय लगाए जाने की तैयारी है। न्याय विभाग से स्वीकृति मिल गई है, पुलिस मुख्यालय भोपाल से उक्त भवन के लिए स्वीकृति मांगी गई है।

इस आशय की जानकारी पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने दी, उन्होंने बताया कि वर्तमान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय कलेक्टर कार्यालय के भवन में ही लग रहा है। इस कार्यालय के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण यहां आने वाले लोगों भी परेशानी का सामना करना पड़ता है और पुलिस विभाग की कई शाखाएं एक ही कक्ष में लगाना पड़ रही हैं अभी तक इसके लिए अलग से कांउटर नहीं थे, लेकिन अब काउंटर बनाकर पार्टिशन किया गया है। जिससे से काम चलाया जा रहा है, यहां जिला मुख्यालय पर पुलिस मुख्यालय के लिए कलेक्टर कार्यालय का अलग खण्ड और पुलिस अधीक्षक कार्यालय का अलग खण्ड होना चाहिए था।

जिला मुख्यालय पर पहले दिन से ही उस समय भी पुलिस अधिकारियों द्वारा भी असहमति जताई गई थी तब तत्कालीन पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह गौर थे। तमाम प्रयासों के बाद यह कार्यालय यहां लगाया गया था, तब से आज तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए मांग लगातार बनी हुई है, जिसे लेकर वर्तमान में जो जेल के सामने पुलिस लाईन है, पहले कभी यहां अदालत लगती थी, लेकिन न्यायालय भवन जर्जर होने से तथा यह भवन नीचे गिर जाने से यह स्थान ऐसा ही पड़ा है। जबकि न्यायालय गुना रोड पर नए भवन में लग रहा है, इस जर्जर हो चुके भवन को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए चयनित किया गया था, इस हेतु न्याय विभाग से स्वीकृति भी ली गई है। इस तरह की स्वीकृति मिल गई है, अब पुलिस मुख्यालय भोपाल से स्वीकृति मांगी गई है। यह क्षेत्रफल 3 बीघा में है।

वर्तमान में यहां पुलिस लाईन चल रही है, ऐसे में एसपी राजीव कुमार मिश्रा का कहना है कि पुलिस लाईन को यहां से हटाकर मोहरी की पुलिस लाईन पर भेजा जाएगा, वहां पर 9 हेक्टयर भूमि पुलिस विभाग की है जो ऐसी ही पड़ी है। उक्त भूमि पर पुलिस लाईन स्थानांतरित की जाएगी। शहर में अभी दो पुलिस लाईन है एक मोहरी की और दूसरे जेल के सामने पड़रिया के नाम से पुलिस लाईन है। जब अशोकनगर जिला बना था तब पुलिस लाईन की शुरूआत मोहरी से की गई थी, बाद में जब रमन सिकरवार एसपी बनकर आए थे ।

ग्राम सावलहेडा में रास्ते पर से अतिक्रमण हटाया



अशोकनगर। तहसील मुंगावली अंतर्गत ग्राम सावलहेडा स्थित पंचायत भवन मैन रोड से शासकीय प्राथमिक शाला भवन वाले रास्ता पर अतिक्रमण को राजस्व एंव पुलिस की तत्परता से हटवाया गया। इस संबंध में ग्राम पंचायत के सरपंच रेखा राय के द्वारा पत्र लेख कर सूचना दी गई कि ग्राम सावलहेडा में स्थित पंचायत भवन के सामने वाले रास्ते पर कुछ लोगो द्वारा मिट्टी डाली गई है जिससे सड़क पर पानी का भराव होने के कारण ग्रामवासी एवं आदिवासी बहुत परेशान हो रहे है। सूचना मिलते ही अनुविभागीय अधिकारी ब्रजबिहारी श्रीवास्तव के निर्देशन में राजस्व और पुलिस की टीम मौक पर पहुंची। तहसीलदार सोनम शर्मा द्वारा मौके पर पहुंच कर समझाइश के साथ अतिक्रमणकर्ता थानसिंह पुत्र पन्नालाल राय, प्रदीप पुत्र किशनलाल दीक्षित, मुकेश पुत्र फूलसिंह राय से पंचायत भवन मैन रोड से शासकीय प्राथमिक शाला भवन वाले रास्ता से मिट्टी हटाने हेतु कहा गया।

मधु शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया



अशोकनगर। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार मधु शर्मा ने सोमवार को अशोकनगर में जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात कलेक्टर साकेत मालवीय से भेंट की। स्थानांतरण के पहले मधु शर्मा जिला श्योपुर में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में पदस्थ थी। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन और विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी के सहयोग से कार्य करने की बात कही।

सेफ क्लिक 2.0 अभियानः सायबर चौपाल आयोजन से ग्रामीणों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में संचालित राज्यव्यापी सायबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिलेभर में व्यापक स्तर पर सायबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं थाना क्षेत्रों में सायबर चैपाल का आयोजन कर सायबर अपराधों से बचाव एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने थाना नईसरांय द्वारा ग्राम भैंसा, डूंगसरा, थाना शाढौरा द्वारा ग्राम पीलीघटा, थाना ईसागढ द्वारा ग्राम ओढ़ीला, थाना देहात द्वारा ग्राम मढ़खेड़ा, थाना बहादुरपुर द्वारा कस्वा बहादुरपुर, थाना पिपरई द्वारा रविवार हाट बाजार पिपरई, थाना चन्देरी द्वारा ग्राम पंचायत प्राणपुर तथा थाना मुंगावली द्वारा कृषि उपज मण्डी मुंगावली क्षेत्र एवं थाना कोतवाली द्वारा महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम के दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, सायबर फ्रॉड की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने संबंधी जानकारी दी। साथ ही सायबर स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की सायबर धोखाधड़ी होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तत्काल 1930 सायबर हेल्पलाइन अथवा राष्ट्रीय सायबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं तथा अपने बैंक एवं संबंधित संस्थान को तुरंत सूचित करें। सतर्क रहकर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने एवं दूसरों को भी सायबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की।

रिक्त पदों के लिए किए गए आवेदन आमंत्रित

अशोकनगर। संचालनालय महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश भोपाल माध्यम से आंगनबाडी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति एम.पी.ऑनलाइन के चयन पोर्टल (वर्ष 2026 फेज 1) के माध्यम से विज्ञप्ति प्रकाशित की गई है। नियुक्ति की कार्यवाही एम.पी.ऑनलाइन द्वारा निर्मित चयन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। एम.पी. ऑनलाइन के चयन पोर्टल पर आवेदन भरे जाने के संबंध में तिथि का विवरण है। आवेदन पत्र प्रारंभ तिथि 01/07 आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 13/07/आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 15/07/2026 रिक्त पदों की सूचना संबंधी जानकारी में कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद हेतु मूल निवास, आयु,शैक्षणिक योग्यता तथा अन्य मापदण्ड जिसके आधार पर चयन किया जाएगा।

समय सीमा के लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई

शासन की योजनाओं में विभाग समन्वित रूप से प्रयास कर प्रगति लाएं: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत विभागों द्वारा समन्वित प्रयास कर प्रगति लाई जाए। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन मैदानी स्तर पर हो यह सुनिश्चित किया जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर साकेत मालवीय ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा के लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक में जिला अधिकारियों को दिए।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन के तहत सभी विभाग ग्रेडिंग सुधार में विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय सीमा में कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत नॉट अटेण्ड नही होना चाहिए। शिकायतों को अटेंड न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मुख्य सचिव की बैठकों के एजेण्डा के बिन्दुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि माह जनवरी से माह जून तक आयोजित बैठकों के एजेण्डा के बिन्दुओं की संबंधित विभागीय अधिकारी अद्यतन जानकारी अपडेट रखें। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभागीय उपलब्धियों को पोर्टल पर दर्ज किये जाने के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गौशालाओं में पानी की टंकी निर्माण,मनरेगा,जनभागीदारी से किये गये कार्यो तथा जन चैपाल के माध्यम से जागरूकता अभियान के संबंध में समीक्षा कर निर्देशित किया गया। उन्होंने सुशासन के अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, नामांतरण, सीमांकन के संबंध में विस्तृत बिन्दुओं की समीक्षा की। उन्होंने खण्ड स्तरीय बैठकों के आयोजन किये जाने के निर्देश समस्त एसडीएम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिए। खण्ड स्तरीय बैठकों में स्वास्थ्य एवं पोषण,प्रसूति सहायता,निक्षय मित्र,पोषण किट,टीबी मुक्त भारत, एनीमिया प्रबंधन सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानिकी, पीएम स्वनिधि, पीएम जीवन ज्योति योजना,मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीक,एकीकृत बागवानी,प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, डॉ.भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के लिए मुख्य अतिथि के उद्बोधन हेतु विभागीय उपब्धियों की जानकारी शासन को भेजे जाने के संबंध में बिन्दुवार विभागीय समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिपं राजेश जैन, अपर कलेक्टर डी.एन.सिंह, समस्त एसडीएम,सीईओ जनपद पंचायत तथा अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचीं एसडीएम मंजूषा खत्री

गुना। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से आरोन एसडीएम मंजूषा खत्री सोमवार को कृषि उपज मंडी पहुंचीं। एसडीएम ने मंडी में खाद के स्टॉक, उपलब्धता और किसानों को किए जा रहे वितरण का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद वितरण पूरी पारदर्शिता और सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए तथा किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण सुनिश्चित करने और मांग के अनुरूप समय पर उपलब्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। एसडीएम सुश्री मंजूषा खत्री ने मंडी परिसर की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद वितरण से संबंधित यदि किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए, ताकि किसानों को बिना किसी असुविधा के समय पर खाद उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान मंडी के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

जिला जेल अशोकनगर में विधिक जागरुकता शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



प्रधान जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष सतीश चन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में व जिला न्यायाधीश किशोर कुमार निनामा, सचिव मनीष अनुरागी की उपस्थिति में सोमवार को जिला जेल अशोकनगर का निरीक्षण, बंदियों से व्यक्तिगत रूप से साक्षात्कार एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

निरीक्षण के दौरान निरूद्ध बंदियों से उनके अधिवक्ताओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर बताया गया कि यदि किसी बंदी के पास अधिवक्ता नहीं है तो वह विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। साथ ही बंदियों के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई व बताया गया कि प्रत्येक बंदी को अपने अधिकार और कानूनी सलाह, विधिक सहायता के माध्यम से प्राप्त करने का अधिकार है। बंदियों को प्लीबार्गेनिंग योजना के संबंध में भी जानकारी दी गई। साथ ही बंदियों से उनके स्वास्थ्य, खान-पान एवं प्रकरणों की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली गई। बंदियों से अपील की गई कि जेल सुधार गृह है। यहां आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है। मन में हताशा एवं निराशा के भाव नहीं रखना चाहिए। जिससे यहां से निकलने के बाद वे समाज में अच्छे नागरिक होने का दायित्व निभा सकें।

वर्तमान मप्र भूमि राजस्व संहिता एमपीएलआरसी 1959, ब्रिटिश काल की जमींदारी व्यवस्था आधारित

'शहरीकरण, औद्योगीकरण और डिजिटल युग की मांगें असफल'

वर्ष 1947 बंदोबस्त अभिलेखों का संगठित दुरुपयोग एवं फर्जीवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी ने मध्यप्रदेश शासन के राजस्व मंत्री करण सिंह से मांग की है कि मध्य प्रदेश भूमि राजस्व संहिता एमपीएलआरसी 1959, जो ब्रिटिश काल की जमींदारी व्यवस्था और कांग्रेस शासनकाल की पुरानी सोच पर आधारित है।

जो आज पूरी तरह से अप्रासंगिक, अपूर्ण और किसान-विरोधी सिद्ध हो चुकी है। यह संहिता 1959 में लागू हुई थी, जब प्रदेश की आबादी महज 2 करोड़ थी और कृषि मुख्यतः पारंपरिक थी, लेकिन आज 8 करोड़ से अधिक आबादी, शहरीकरण, औद्योगीकरण और डिजिटल युग की मांगों के सामने यह पूरी तरह से असफल हो रही है। सरकार द्वारा वर्ष 2018 एमपीएलआरसी संशोधन अधिनियम 2018, जिसमें डिजिटल रिकॉर्ड्स और ई-नामांतरण जोड़े गए), 2021 (कोविड प्रभावित किसानों के लिए राहत प्रावधान) एवं 2022 (भू-स्वामी अधिकारों में संशोधन) में कुछ सतही संशोधन किए गए हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं हैं। वर्तमान में जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार का बोलबाला, अनावश्यक विलंब, अभिलेखीय फर्जीवाड़ा, पक्षपातपूर्ण निर्णय और न्यायिक लंबितता की समस्याएँ न केवल यथावत बनी हुई हैं, बल्कि और गहराती जा रही हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि प्रदेश में 5 लाख से अधिक भूमि विवाद प्रकरण लंबित हैं (मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की 2023 रिपोर्ट के अनुसार), जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक 5 वर्ष से पुराने हैं, और इनमें से 40 प्रतिशत में भ्रष्टाचार की शिकायतें दर्ज हैं। यह स्थिति किसानों को आत्महत्या की ओर धकेल रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी के अनुसार, मध्यप्रदेश में 2022-2025 तक 2,500 से अधिक किसान आत्महत्याओं में भूमि विवाद एक प्रमुख कारण रहा है। विस्तृत रूप से निम्नलिखित प्रमुख समस्याएँ उजागर हैं, जो सरकार की उदासीनता और भ्रष्ट अमले की मिलीभगत का परिणाम हैं। धारा 248 (अवैध कब्जा हटाना) एवं धारा 250 (बेदखली से बहाली) में व्यावहारिक खामियाँ एवं घोर लापरबाहीः तहसील और अनुविभागीय स्तर पर प्रकरणों में जानबूझकर अनावश्यक विलंब किया जाता है औसतन 2-3 वर्ष लगते हैं। जबकि नियम के अनुसार 90 दिनों में निपटारा होना चाहिए।

मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता एवं अन्य भूमि संबंधी विवादों के संबंध में आवश्यक संशोधन को लेकर राजस्व मंत्री का ध्यान आकर्षित

जमींदारी उन्मूलन अधिनियम 1951 एवं एमपीएलआरसी 1959 के बाद भी पुराने 1947 सेटलमेंट रिकॉर्ड्स को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि वे ब्रिटिश काल के हैं और कई जगह फर्जी हैं। आदेश पारित होने के बाद भी कब्जा हटाने में पुलिस और राजस्व अमले का समन्वय न होने से पीड़ित पक्ष वर्षों तक भटकता रहता है उदाहरण स्वरूप, इंदौर और भोपाल संभागों में 10,000 से अधिक ऐसे लंबित आदेश हैं। राजस्व अधिकारियों द्वारा फर्जी रिपोर्ट्स और गलत साक्ष्य प्रस्तुत कर गरीब किसानों को उजाड़ा जा रहा है, जो संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन है। परिणाम स्वरूप, पीड़ित पक्ष को न केवल आर्थिक हानि होती है, बल्कि मानसिक प्रताड़ना से परिवार बिखर जाते हैं। ऑनलाइन भूलेख व्यवस्था (जैसे जीआईएस और एमपी भूलेख पोर्टल) होने के बावजूद मानवीय हस्तक्षेप से शोषण जारी है डिजिटल सत्यापन में जानबूझकर



त्रुटियाँ डाली जाती हैं। जैसे ग्वालियर और जबलपुर संभागों में 2024-2025 में दर्ज 1,500 से अधिक शिकायतें, लेकिन कार्रवाई महज 10 प्रतिशत पर हुई। जजेस प्रोटेक्शन एक्ट, 1985 का घोर दुरुपयोग राजस्व अधिकारियों द्वारा इसे भ्रष्टाचार, लापरवाही और गलत आदेशों से बचाव की ढाल बनाया गया है, जिससे जवाबदेही शून्य हो गई है। गलत निर्णयों पर एफआईआर दर्ज कराना या विभागीय कार्रवाई कठिन हो जाती है, अधिकारियों को और अधिक निर्भीक बनाता है।

परिणाम स्वरूप प्रदेश में 500 से अधिक राजस्व अधिकारियों के खिलाफ लंबित भ्रष्टाचार मामले, लेकिन मुकदमे नहीं चल पाते। अद्यतन डिजिटल रिकॉर्ड्स (जैसे खसरा, खतौनी) की उपेक्षा कर जानबूझकर विवाद उत्पन्न किए जाते हैं, ताकि मुकदमेबाजी से कमाई हो। किसान अनावश्यक मुकदमों में फंसते हैं। औसतन एक विवाद पर 50,000 से 2 लाख रुपये खर्च होते हैं, और 10-15 वर्ष लगते हैं। भूमि विवादों का न्यायालयों में दीर्घकालीन लंबित रहना एवं न्यायिक व्यवस्था की विफलता। स्वामित्व, कब्जा, बंटवारा एवं सीमांकन विवाद दशकों तक लंबित रहते हैं सिविल कोर्ट से हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक बहुस्तरीय मुकदमेबाजी। अंतरिम स्थगन आदेशों से राजस्व आदेश निष्प्रभावी हो जाते हैं, जिससे अवैध कब्जाधारी लाभ उठाते हैं।

आंकड़े कहते हैं कि मप्र में 3 लाख से अधिक सिविल भूमि मुकदमे लंबित (2025 न्याय विभाग रिपोर्ट), जिनमें 60 प्रतिशत 10 वर्ष से पुराने हैं। भूमि सीमा प्रावधानों की अप्रासंगिकता एवं आर्थिक बाधक एवं भू-सीमा अधिनियम 1960 के वर्तमान प्रावधान आधुनिक कृषि निवेश, कॉर्पोरेट फार्मिंग और एग्री-बिजनेस में घोर बाधक हैं। बड़े स्तर पर वैज्ञानिक खेती, ऑर्गेनिक फार्मिंग और निर्यात- उन्मुख कृषि प्रभावित हो रही है।

भूमि विवादों हेतु पृथक न्यायालय की अनिवार्य एवं तत्काल आवश्यकताःभूमि प्रकरणों की जटिलता, लंबितता और भ्रष्टाचार को देखते हुए प्रदेश में पृथक विशेष भूमि विवाद न्यायालय/राजस्व न्यायाधिकरण की स्थापना न केवल आवश्यक है, बल्कि विलंबित न्याय की आपराधिक लापरवाही है। प्रस्तावित संरचना को और विस्तार से इस प्रकार लागू किया जाएः प्रत्येक संभाग में कम से कम एक और प्रत्येक जिले में उप-न्यायालय, जिसमें सेवानिवृत्त न्यायाधीश, राजस्व विशेषज्ञ और तकनीकी सलाहकार शामिल हों। केवल भूमि स्वामित्व, कब्जा, सीमांकन, नामांतरण, अभिलेख विवादों की सुनवाई, सिविल और राजस्व अधिकारिता का समेकित उपयोग। 6-12 माह में अनिवार्य अंतिम निर्णय, जिसमें अपील की सीमा 3 माह हो। ई-कोर्ट सिस्टम,लागू किया जाए तथा डिजिटल अभिलेख आधारित साध्य विश्लेषण और भूलेख पोर्टल से जुड़ी प्रणाली की व्यवस्था कर राज्य स्तरीय भूमि अपीलीय अधिकरण की स्थापना, जिसमें हाई कोर्ट स्तर की शक्तियाँ हों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

जल संरक्षण में मिसाल बना राजगढ़

''जल गंगा संवर्धन अभियान'' से बदली जल संरचनाओं की तस्वीर







राजगढ़जिले में जल संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। जिला प्रशासन के नेतृत्व में विभिन्न विभागों और आमजन की सहभागिता से जिले में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। खेत तालाबों से लेकर कूप रिचार्ज, रिचार्ज मैजिक पिट, ऐतिहासिक बावड़ियों के जीर्णोद्धार और रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी गतिविधियों ने जिले को प्रदेश के शीर्ष जिलों में शामिल करा दिया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल स्तर में वृद्धि तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल भविष्य तैयार करना है। जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जन अभियान परिषद सहित कई विभाग संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रशासन का फोकस केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खेत तालाबों से किसानों को मिला संबल

जिले में शहर खेत को पानी की अवधारणा को मजबूत करने के लिए खेत तालाब निर्माण कार्य तेज गति से किए गए। अभियान के तहत 2 हजार 277 खेत तालाबों का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 1 हजार 920 कार्य पूर्ण कर 84 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई। इन कार्यों पर लगभग 4 हजार 971 लाख रुपए की लागत स्वीकृत हुई, जबकि 2 हजार 972 लाख रुपए व्यय किए जा चुके हैं।

खेत तालाब : प्रमुख आंकड़े

- लक्ष्य-2,277
- पूर्ण कार्य-1,920
- उपलब्धि खेत तालाब-84%
- लागत राशि 4971.72 लाख
- व्यय 2972.60 लाख
- प्रतिशत 60%

खेत तालाब किसानों के लिए सिंचाई, पशुपालन और भू-जल पुनर्भरण का मजबूत माध्यम बन रहे हैं। इससे सूखे की स्थिति में भी किसानों को राहत मिल रही है।

कूप रिचार्ज में जिले ने बनाई मिसाल

जल संरक्षण के क्षेत्र में कूप रिचार्ज कार्यों ने जिले को नई पहचान दिलाई है। कुल 3 हजार 698 कूप रिचार्ज कार्यों के लक्ष्य में से 3 हजार 641 कार्य पूर्ण कर 98 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई। इस पर 945 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई थी।

कूप रिचार्ज : प्रमुख आंकड़े

- लक्ष्य-3,698
- पूर्ण कार्य-3,641
- उपलब्धि कूप रिचार्ज, 98%
- लागत राशि 945.74 लाख
- व्यय 757.66 लाख
- प्रतिशत 80%

कूप रिचार्ज तकनीक के जरिए वर्षा जल को सीधे कुओं तक पहुंचाकर भू-जल स्तर बढ़ाया जा रहा है। इससे पेयजल और सिंचाई दोनों को लाभ मिल रहा है।

जल संरचनाओं के निर्माण में बड़ी उपलब्धि

अभियान के तहत तालाब, चेकडैम, फार्म पोंड और अन्य जल संरचनाओं के निर्माण एवं संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। जिले में 23 हजार 681 जल संरचनाओं का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 17 हजार 77 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं।



जल संरचनाएं : प्रमुख आंकड़े

- लक्ष्य- 23,681
- पूर्ण कार्य-17,077
- उपलब्धि,-72%

जल संरचनाएं

- लागत राशि 20217.90 लाख
- व्यय 16143 लाख
- प्रतिशत 80%

इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संग्रहण और भू-जल पुनर्भरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

ऐतिहासिक बावड़ियों को मिला नया जीवन

राजगढ़ जिले की प्राचीन बावड़ियों को संरक्षित करने के लिए भी अभियान के तहत विशेष कार्य किए गए। जिले में 50 बाबड़ियों के जीर्णोद्धार का लक्ष्य रखा गया था और सभी कार्य पूर्ण कर 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई।

बावड़ी जीर्णोद्धार

- लक्ष्य - 50
- पूर्ण कार्य उपलब्धि-50
- प्रतिशत 100%

इन कार्यों से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिला, बल्कि ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण भी हुआ।

रिचार्ज शाफ्टऔर मैजिक पिट से बढ़रहा भू-जल

जिले में भू-जल पुनर्भरण को लेकर रिचार्ज शाफ्ट और रिचार्ज मैजिक पिट का निर्माण भी बड़े पैमाने पर किया गया। 191 रिचार्ज शाफ्ट के लक्ष्य में से 135 कार्य पूर्ण किए गए, जबकि 37 हजार 355 रिचार्ज मैजिक पिटमें से 31 हजार 256 कार्य पूरे हो चुके हैं।

रिचार्ज शाफ्ट

- लक्ष्य-191
- पूर्ण कार्य -191
- उपलब्धि -135
- प्रतिशत 71%

रिचार्ज मैजिक पिट

- लक्ष्य -37,355
- पूर्ण कार्य-31,256
- उपलब्धि-84%

इन तकनीकों से वर्षा जल को सीधे जमीन के भीतर पहुंचाया जा रहा है, जिससे सूखते बोरवेल और कुओं को पुनर्जीवित करने में मदद मिल रही है।

घाटों की सफाई और रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर जोर

अभियान के अंतर्गत नदी घाटों की साफ-सफाई और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को भी प्राथमिकता दी गई। जिले में 10 घाटों की सफाई का लक्ष्य था, जिसे शत-प्रतिशत पूरा किया गया। वहीं रेन वाटर हार्वेस्टिंग के 473 कार्यों में से 444 कार्य पूरे किए गए।

घाट सफाई

- लक्ष्य-10
- पूर्ण कार्य-0
- उपलब्धि -100%

रेन वाटर हार्वेस्टिंग

- लक्ष्य-473
- पूर्ण कार्य-444,
- उपलब्धि -94%

रेन वाटर हार्वेस्टिंग के जरिए छतों और अन्य सतहों पर गिरने वाले वर्षा जल का संचयन कर भू-जल स्तर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्याऊ और जल मंदिर बन रहे राहत केंद्र

गर्मी के मौसम में राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए जिले में प्याऊ एवं जल मंदिर स्थापित किए गए। कुल 722 जल मंदिरों के लक्ष्य में से 635 कार्य पूर्ण कर 87 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई।

जल मंदिर

- लक्ष्य-722
- पूर्ण कार्य-635,
- उपलब्धि-87%

इन जल मंदिरों के माध्यम से लोगों को स्वच्छ और शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

जल बचाने के लिए नलों में लगाई टोंटियां

सार्वजनिक नलों में टोंटी लगाने के अभियान ने भी जिले में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। 140 कार्यों के लक्ष्य के विरुद्ध 175 कार्य पूर्ण कर 175 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई।

नलों में टोंटी लगाना

- लक्ष्य-140
- पूर्ण कार्य-175
- उपलब्धि -175%

इस पहल से पानी की बर्बादी को रोकने में मदद मिल रही है।

जागरूकता कार्यक्रमों से जुड़रहे लोग

जल संरक्षण को लेकर आमजन को जागरूक करने के लिए जिले में कलश यात्रा, रैली, निबंध एवं नारा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कलश यात्रा एवं रैली के 100 लक्ष्य के विरुद्ध 107 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जबकि जागरूकता कार्यक्रमों के 222 लक्ष्य के मुकाबले 250 कार्यक्रम आयोजित हुए।

जागरूकता कार्यक्रम गतिविधि

लक्ष्य -100
पूर्ण कार्यक्रम-107
उपलब्धि कलश यात्रा/रैली- 107%

जागरूकता कार्यक्रम

222, 250, 112%

इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, महिलाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

मुख्यमंत्री और कलेक्टर ने की सहभागिता की अपील

मोहन यादव ने अभियान को जनभागीदारी का महाअभियान बताते हुए लोगों से वर्षा जल संचयन और जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक जल संरक्षण का संकल्प ले तो मध्यप्रदेश जल समृद्ध और आत्मनिर्भर बन सकता है।

वहीं कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और समाज के छोटे-छोटे प्रयास मिलकर जिले को जल समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने युवाओं, किसानों और सामाजिक संगठनों से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

राज्य स्तर पर शीर्ष जिलों में शामिल हुआ राजगढ़

ष्जल गंगा संवर्धन अभियानष के अंतर्गत किए गए उत्कृष्ट कार्यों के चलते राजगढ़ जिला प्रदेश के शीर्ष जिलों में शामिल हुआ है। जनभागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और व्यापक स्तर पर किए गए जल संरक्षण कार्यों ने जिले को नई पहचान दिलाई है। आने वाले समय में यह अभियान जल संकट से निपटने में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

अभियान दौरान निर्मित जल संरचनाओं से 140 लाख घन मीटर जल संग्रहण छमता बड़ी है जिस से 14000 हैक्टर कृषि भूमि सिंचित होगी एवं













